

राहुल की यात्रा

कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी ने दूसरी यात्रा का आरंभ किया है— 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'। कांग्रेस प्रवक्ता इसे सामाजिक, धार्मिक न्याय और 'अराजनीतिक' यात्रा करार दे रहे हैं। कांग्रेसी 'न्याय' और 'सहो मत, डरो मत' के नारे लगा रहे हैं। परंपरा के मुताबिक, यह पदयात्रा नहीं होगी, बल्कि एक अत्याधुनिक बस के जरिए 6713 किलोमीटर का फासला तय किया जाएगा। बीच-बीच में राहुल गांधी और उनके सहयात्री पैदल भी चलेंगे। 'न्याय यात्रा' देश के 15 राज्यों और 110 जिलों से गुजरेगी। 66 दिन की यात्रा के बाद 20 मार्च को मुंबई में इसका समापन होगा। तब तक आम चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी होंगी। राहुल गांधी किस 'न्याय' की बात कर रहे हैं? लोकतंत्र में न्याय की अपेक्षा सरकार और न्यायपालिका से की जाती है। कोई ऐसी वास्तवता या सामाजिक दमन भारत में नहीं हुआ है, जिसके लिए 'न्याय' की गुहार या उद्घोष किया जाए। भारत एक संगठित, संप्रभु, विविधता के बावजूद एकजुट राष्ट्र है, तो 'कन्याकुमारी से कश्मीर तक' देश को जोड़ने का आह्वान करने के बाद राहुल गांधी अब किस भूखंड और नागरिकों को जोड़ने की बात कर रहे हैं? अपवाद हो सकते हैं, समस्याएं हो सकती हैं। कांग्रेस ने देश पर करीब 55 साल शासन किया है। ऐसे कौनसे सामाजिक और धार्मिक अन्याय शेष रह गए हैं, जिन पर 'न्याय' का दावा किया जा रहा है? यह यात्रा राजनीतिक क्यों नहीं है? किसी राजनीतिक दल की इतनी लंबी यात्रा 'अराजनीतिक' हो सकती है? एक ओर देश में राम मंदिर के जरिए हिंदुत्व के खुमार की कोशिशें जारी हैं और उन्हीं के समानांतर 'न्याय यात्रा' शुरू की गई है। कांग्रेसियों के भाषणों और बयानों से स्पष्ट है कि यह पूरी तरह राजनीतिक यात्रा है। आम चुनाव का 'अग्निपथ' तैयार किया गया है। मणिपुर के जातीय तनाव, सामुदायिक हिंसा, कर्पूर और हत्याओं संबंधी कांग्रेस के बयान पूरी तरह राजनीतिक हैं। लहलुहान की यह परंपरा 60 साल पुरानी है। पूर्वोत्तर के राज्यों में तब भी उग्रवाद, हिंसा और हत्याएं थीं, जब भारत सरकार के रूप में कांग्रेस सत्तारूढ़ थी। सिर्फ पूर्वोत्तर के हालात पर लोकसभा चुनाव नहीं हुआ करते। चूंकि पूर्वोत्तर में कांग्रेस लगभग नगण्य स्थिति में है, लिहाजा चुनावी हासिल के लिए भी यात्रा मणिपुर से शुरू की गई है। गौरतलब यह है कि कांग्रेस 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का आगाज कर रही थी, लेकिन उसी समय 50 साल से अधिक समय के समर्थक परिवार के सदस्य और यूपीए सरकार में राज्यमंत्री रहे मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस को अलविदा कहकर शिवसेना से हाथ मिला लिए। 2019 के बाद कांग्रेस छोड़ने वालों में गुलाम नबी आजाद, अधिनी कुमार, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुनील जाखड़, कपिल सिब्बल, हार्दिक पटेल, अनिल एंटनी, सुभिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी आदि नेताओं की लंबी फेहरिस्त है। सभी 'धुर कांग्रेसी' थे। केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और संगठन के पदों पर आसीन नेता थे। कांग्रेस अपने ही नेताओं को 'जोड़ कर' क्यों नहीं रखा पाई है? राहुल गांधी की यात्रा जिन लोकसभा क्षेत्रों से गुजरेगी, उनमें से मात्र 15 सीटों पर ही कांग्रेस सांसद हैं। संभव है कि कांग्रेस की यह सोच रही होगी कि वह यात्रा के जरिए बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, महिला उत्पीड़न, कथित राजनीतिक अहंकार, मंदिरवाद, अमीर-गरीब की खाई, आम आदमी को स्वाभाविक न्याय आदि मुद्दों पर व्यापक जनमत तैयार कर सकती है! बहरहाल उसे चुनाव स्पष्ट कर देंगे। यदि भाजपा और संघ परिवार मिल कर हिंदूवाद की राजनीति खेल रहे हैं, तो कांग्रेस भी कम हिंदूवाद वाली पार्टी नहीं है। उसके ध्ववीकरण की जल्दत है। इसके अलावा कांग्रेस जातिवाद और मुस्लिमवाद की सियासत करती रही है। कर्नाटक और तेलंगाना के जनानदेश इसके जीवंत उदाहरण हैं। दरअसल हम बीते कल विश्लेषण कर चुके हैं कि कांग्रेस अपने साथियों और समर्थकों को लामबंद नहीं कर पा रही है, नतीजतन 'इंडिया' गठबंधन एक मजबूत, संगठित और चुनौतीपूर्ण आकार नहीं ले पा रहा है। इस यात्रा के लिए भी कांग्रेस ने गठबंधन के घटक दलों को विश्वास में नहीं लिया, लिहाजा सभी असमंजस में बयान दे रहे हैं। अलबत्ता कुछ दलों के नेता यात्रा में जरूर शामिल होंगे। बहरहाल राहुल गांधी ने अपनी राजनीति के लिए 'अग्निपथ' चुना है, तो उन्हें बधाई और शुभकामनाएं। 'अग्निपथ' बहुत मुश्किल, टेढ़े-मेढ़े और कंटोले होते हैं। देखते हैं कि यह यात्रा कैसे गुजरती है!

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे तात! सुनिए, मैं जिस कारण से आया था, वह सब कार्य तो यहाँ आते ही पूरा हो गया। फिर आपके दर्शन भी प्राप्त हो गए। आपका परम पवित्र आश्रम देखकर ही मेरा मोह संदेह और अनेक प्रकार के भ्रम सब जाते रहे। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अब श्रीराम कथा अति पावनि। सदा सुखद दुख पुंज नसावनि ॥ सादर तात सुनावहु मोही। बार बार बिनवडु प्रभु तोही ॥ अब हे तात! आप मुझे श्री रामजी की अत्यंत पवित्र करने वाली, सदा सुख देने वाली और दुःख समूह का नाश करने वाली कथा सादर सहित सुनाएँ। हे प्रभो! मैं बार-बार आप से यही विनती करता हूँ। सुनत गरुड कै गिरा बिनीता। सरल सुप्रेम सुखद सुपुनीता ॥ भयउ तास मन परम उछाहा। लाग कहै रघुपति गुन गाहा ॥ गरुडजी की विनय, सरल, सुंदर प्रेमयुक्त, सुप्रद और अत्यंत पवित्र वाणी सुनते ही भृशण्डिजी के मन में परम उत्साह हुआ और वे श्री रघुनाथजी के गुणों की कथा कहने लगे ॥ प्रथमहिं अति अनुराग भवानी। रामचरित सर कहैसि बखानी ॥ पुनि नारद कर मोह अपारा। कहैसि बहुरि रावन अवतारा ॥ हे भवानी! पहले तो उन्होंने बड़े ही प्रेम से रामचरित मानस सरोवर का रूपक समझाकर कहा। फिर नारदजी का अपार मोह और फिर रावण का अवतार कहा ॥ प्रभु अवतार कथा पुनि गाई। तब सिसु चरित कहैसि मन लाई ॥ फिर प्रभु के अवतार की कथा वर्णन की। तदनन्तर मन लगाकर श्री रामजी की बाल लीलाएँ कहीं ॥ दो0-बालचरित कहि बिबिधि बिधि मन महँ परम उछाह। रिषि आगवन कहैसि पुनि श्रीरघुबीर बिबाह ॥ मन में परम उत्साह भरकर अनेकों प्रकार की बाल लीलाएँ कहकर, फिर ऋषि विश्वामित्रजी का अयोध्या आना और श्री रघुवीरजी का विवाह वर्णन किया ॥ बहुरि राम अभिषेक प्रसंगा। पुनि नृप बचन राज रस भंगा ॥ पुरबासिन्ह कर बिरह बिषादा। कहैसि राम लछिमन संबादा ॥ फिर श्री रामजी के राज्याभिषेक का प्रसंग फिर राजा दशरथजी के वचन से राजरस (राज्याभिषेक के आनंद) में भंग पड़ना, फिर नगर निवासियों का विरह, विषाद और श्री राम-लक्ष्मण का संवाद (बातचीत) कहा ॥

क्रमशः

इतिहास के जुल्म और अत्याचार से हिंदुओं को पांच सौ साल बाद मिला न्याय

22| जनवरी को अयोध्या में होने वाली राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कई मायनों में एक नई शुरुआत है। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विपक्ष की पार्टियों की ओर से भाजपा पर लगातार हमले हो रहे हैं। विपक्ष भाजपा पर मंदिर पर राजनीति करने का, अर्थात् राजनीति में धर्म को लाने पर आलोचना कर रहा है। विपक्ष अपनी आलोचना से इस मुद्दे को एकतरफा पेश करने की कोशिश कर रहा है। विरोधी पार्टियाँ तर्क दे रही हैं कि धर्मनिरपेक्ष देश में सरकार का इस तरह के समारोह में शामिल होना एक तरह से हिंदुत्व को बढ़ावा देना है जो संविधान के खिलाफ जाता है और अल्पसंख्यकों की भावनाओं को ध्यान में नहीं लेता। लेकिन विपक्ष की नाराजगी की वजह सिर्फ संविधान की काल्पनिक खिलाफत नहीं है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कई पहलू हैं जिन पर गौर करना जरूरी है। इन पहलुओं से विपक्ष की नाराजगी की असली वजह भी सामने आती है।

सबसे पहले, अयोध्या में प्रभु श्री राम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण होने से इतिहास में हुए जुल्म और अत्याचार के लिए हिन्दुओं को पांच सौ साल बाद न्याय मिला है। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक ग्लतली का सुधार नहीं है बल्कि लगातार एक हजार वर्षों से हो रहे विदेशी आक्रमणों के दर्द से बाहर निकलना भी है। इसके साथ ही यह राम मंदिर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अभिमान का प्रतीक है। भारत को आज़ादी मिलने के बाद भी गुलामी की मानसिकता से बाहर आने में देश के लोगों को काफी वकूत लगा है। देश को अंग्रेजों से 1947 में आज़ादी मिलने का मतलब यह नहीं है कि भारत उसी वर्ष अस्तित्व में आया। सोधे तौर पर इस बात को कहे बिना विपक्ष का रुख इस प्रकार रहा है जो अप्रत्यक्ष रूप से हज़ारों साल पुरानी भारत की संस्कृति को नकारता आया है। लेकिन अब देश की ज़्यादातर जनता न सिर्फ अपने भारतीय होने पर गर्व



विपक्षी पार्टियाँ, विशेषतः क्षेत्रीय दल, अपनी राजनीति के लिए जाती या वर्ग विशेष पर निर्भर रहती हैं जैसे पिछड़ी जातियाँ और गरीब। लेकिन राम मंदिर के निर्माण से अब विपक्ष के इस वोट बैंक पर ज़बरदस्त सेंध लगी है जो उनकी नाराजगी की असली वजह है।

करती है बल्कि भारतीय संस्कृति से भी ज़्यादा से ज़्यादा जुड़ रही है।

दूसरा, विपक्ष इस मंदिर के निर्माण को एक विभाजनकारी कदम के तौर पर पेश कर रहा है जो हिंदुत्व के नाम पर हिन्दू धर्म के अंतर्गत आने वाली जाती, जनजाति और उपजाति को ध्यान में नहीं लेता। लेकिन अयोध्या में निर्माण हो रहे राम मंदिर को देखें तो यह तर्क भी ग़लत साबित होता है। प्रभु श्री राम के मंदिर के साथ साथ उसी परिसर में कई और मंदिरों का निर्माण भी हो रहा है। इनमें शिव, अन्नपूर्णा, भगवती, गणेश, हनुमान, सूर्य, वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, जटायु और शबरी के मंदिर भी शामिल हैं। इनमें से वाल्मीकि, वशिष्ठ,

जटायु और शबरी को भारत की कई पिछड़ी जातियाँ और जनजातियाँ अपने पूर्वज मानती हैं। हनुमान, जिन्हें कुछ जनजातियाँ अपना पूर्वज मानती हैं, उनकी भक्ति सभी वर्गों के लोग करते हैं। राम मंदिर सभी हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा है लेकिन साथी ही यह हिन्दू धर्म की विविधता का समावेशी भी है।

तीसरा, जातियों की पारंपारिक विविधता को ध्यान में रखने के साथ ही यह मंदिर निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए जातियों के वर्गीकरण का भी प्रतिनिधित्व करता है। मोदी ने कहा है कि उनके लिए और उनकी सरकार के लिए चार जातियाँ महत्वपूर्ण हैं। ये जातियाँ हैं गरीब, किसान, महिलाएँ और

युवा। राम मंदिर का निर्माण होने के साथ साथ अयोध्या के बुनियादी ढाँचे का भी काफी विकास हुआ है जिनमें रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा भी शामिल हैं। राम मंदिर की वजह से अब अयोध्या भारत के प्रमुख तीर्थस्थान के तौर पर उभरा है जिससे पर्यटन को लगातार बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से अयोध्या और उसके आस पास के इलाकों में छोटे-बड़े उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसमें होटल, रेस्तराँ, ट्रांसपोर्ट, मिठाई की दुकान, पूजा सामग्री की दुकान, फूल की दुकान इत्यादि शामिल हैं। इन उद्योगों को बढ़ावा मिलने से गरीब, किसान, महिलाएँ और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे मोदी ने अपनी प्राथमिकता में जिन जातियों का ज़िक्र किया है उनका फायदा होगा।

विपक्षी पार्टियाँ, विशेषतः क्षेत्रीय दल, अपनी राजनीति के लिए जाती या वर्ग विशेष पर निर्भर रहती हैं जैसे पिछड़ी जातियाँ और गरीब। लेकिन राम मंदिर के निर्माण से अब विपक्ष के इस वोट बैंक पर ज़बरदस्त सेंध लगी है जो उनकी नाराजगी की असली वजह है। राम मंदिर का निर्माण पुरानी व्यवस्था को चुनौती है। राजनीतिक दल संकुचित नजरिए से जातियों का विकास करने की बजाए उनका चुनाव जीतने के लिए इस्तेमाल करते थे। राम मंदिर से जहाँ एक तरफ़ करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान हो रहा है, वहीं भारत की राजनीति भी बदल रही है। राम मंदिर से दो महत्वपूर्ण संदेश जाते हैं। एक तो हिन्दू धर्म का अभिमान हुआ उसकी विविधताओं को नकारना है। दूसरा, आस्था का सम्मान करने का मतलब विकास को नज़रअंदाज़ करना नहीं होता। राम मंदिर यह साबित करता है कि आस्था और विकास एक दूसरे से जुड़े हैं। इसीलिए राम मंदिर का निर्माण पूरे देश के लिए एक नई शुरुआत है।

-निरंजन मार्जनी

बिल्ली का बच्चा (बाल कहानी)

शेखू खेल कर आया तो अन्नू ने उसे बिल्ली के बच्चे के बारे में बताया। अब अन्नू और शेखू दोनों बिल्ली के बच्चे को हाथ में उठाकर

भी बिल्ली या अन्य बच्चे नहीं मिले। अब शाम होने लगी थी। वे बिल्ली के बच्चे को घर ले आए और उन्होंने उसे बोतल से दूध पिलाने



उसकी मां को ढूँढ़ने निकले। उनके घर के पास एक तालाब था उसके आसपास देखा मगर बिल्ली नहीं मिली। फिर एक और बच्चे ने उन्हें बताया कि कुछ दूरी पर एक मकान बन रहा है शायद वहाँ बिल्ली ने बच्चे दे रखे हों। वे तीनों बच्चे वहाँ भी गए लेकिन वहाँ

की कोशिश की, बच्चा आवाज़ें निकालते निकालते सो गया। अगले दिन रविवार था, शेखू अन्नू जल्दी उठ गए थे। वे चाहते थे कि बच्चे को मम्मी मिल जाए। उन्होंने फिर खोजना शुरू किया, काफी ढूँढ़ा लेकिन सफलता नहीं मिली।

उन्होंने पापा के दोस्त, पशु चिकित्सक से बात की उन्हें बिल्ली के बच्चे के बारे बताया कि छोटा है अभी उसे म्याऊँ म्याऊँ बोलना भी नहीं आता। उन्हें क्या करना चाहिए। पशु चिकित्सक ने समझाया कि ऐसा माना जाता है कि बिल्लियाँ इंसानी हाथ लगने के बाद अपने बच्चों को स्वीकार नहीं करती। वैसे भी आप इसकी मम्मी को काफी ढूँढ़ चुके हो।

अन्नू की मम्मी ने ध्यान दिया अभी उसे म्याऊँ म्याऊँ करना भी नहीं आता था। उन्होंने प्यार से बच्चे को उठाया, उसकी पीठ पर हाथ फेरा मगर उसका आवाज़ें निकालना जारी था। वह अवश्य ही अपनी मां को याद कर रहा था।

अच्छा तो यही है कि आप इसे स्वयं पाल लें थोड़ा बड़ा होने पर जब यह समझदार हो जाएगा तब आप इसे छोड़ सकते हो। धीरे धीरे यह आत्म निर्भर हो जाएगा। शेखू और अन्नू ने अपनी मम्मी से बात की। उन्होंने भी बच्चे को घर पर पालने के लिए कहा। दोनों बच्चों ने भी उसका ध्यान रखा, समय समय पर अपने डाक्टर अंकल से भी पूछते रहे। बिल्ली का बच्चा, शेखू, अन्नू व उनके मम्मी पापा के साथ खेलते खेलते कब बड़ा हो गया पता ही नहीं चला। उनके दिमाग में यह बात कभी नहीं आई कि उसे कहीं छोड़ जाए। वह अब उनके घर का सदस्य हो बन गया था।

- संतोष उस्तुक

पौष शुक्ल-सप्तमी

राशिफल

(विक्रम संवत् 2080)

मेघ- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। खुद के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। थोड़ा मन विचलित रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भूमि-भवन व वाहन की खरीदारी संभव है लेकिन खलल भी पड़ सकता है। संघर्ष के साथ आप यह कर पाएँगे।

तुला- (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक परेशानी बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरमझरम, प्रेम संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार करीब-करीब ठीक रहेगा।

मकर- (भो, जा, जी, जु, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यावसाय में थोड़ी अड़चन आएंगी। स्वास्थ्य नरम गरम क्योंकि सोने में विकार संभव है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रक्ता हुआ कार्य चल पड़ेगा। प्रेम-संतान की स्थिति बेहतर है। व्यापार भी बेहतर है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
व्यापारिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। हालांकि आप उन्नति करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा सा बेहतर होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार बहुत अच्छा दिख रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मान-हानि की स्थिति बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट संभव है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान की स्थिति मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, क, ड, छ, के, हो, हा)
निर्णय लेने की क्षमता अच्छी हो जाएगी। बच्चों का साथ होगा। प्रेम का साथ होगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। अगर आपने निवेश किया तो धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ्य बेहतर होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परेशानियों के साथ आय में वृद्धि। मानसिक कष्ट संभव है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियाँ प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान मध्यम है।

सांसद ने कई गांवों का दौरा का किया जनसंवाद



नोएडा (चेतना मंच)। 'सांसद आपके द्वार' कार्यक्रमों के दौरान गौतमबुद्धनगर के सांसद डा. महेश शर्मा ने जेवर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धनसिया, दस्तमपुर, गढ़ी अली अहमदपुर उर्फ गढ़ी, चक जहांगीरपुर, लौदाना, जहांगीरपुर जेवर कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय लोगों से संवाद किया। साथ ही केन्द्र व उप सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी। डा. महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट की स्थापना की। टी.एच.डी.सी. पावर प्लान्ट लगाया गया। जल्द ही अब क्षेत्र में 24 घंटे बिजली उपलब्ध करायी जायेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संकल्प लिया था वह 22 जनवरी 2024 को साकार होने जा रहा है एवं

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य कर मूर्ति प्राण की जायेगी यह संभव डबल इंजन की सरकार में ही हुआ है। यह ताकत आपने अपना वोट भारतीय जनता पार्टी को देकर इस सपने का साकार किया है। आने वाली 22 जनवरी 2024 को आप सभी अपने-अपने घरों पर दीप जलाकर भगवान राम का आगमन करेंगे कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, सांसद प्रतिनिधि सतपाल तालान, संजय रावत मण्डल अध्यक्ष जेवर, देवेन्द्र भारद्वाज, उदयवीर चौधरी पूर्व मण्डल अध्यक्ष रघुपुरा, धर्मेन्द्र भाटी पूर्व जिलामंत्री, प्रदीप अत्री, संजीव शर्मा, बाँबी शर्मा, विकास चौधरी, त्रिलोक प्रधान, नरेश त्यागी, भोले चौधरी, राजू प्रधान भवोकरा, कृष्ण प्रधान, अतिश प्रधानगढ़ी, रोहित ठाकुर धनसिया आदि काफी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा पत्नी की हत्या कर पति फरार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यूपी के इटावा जनपद से अपने पति के साथ ग्रेटर नोएडा में जिंदगी गुजारने के लिए आई 22 वर्ष की रचना को नहीं मालूम था कि ग्रेटर नोएडा में मात्र छह दिन के भीतर ही उसकी जिंदगी का अंत हो जाएगा। मृतक रचना का पति भी फरार चल रहा है, जिसे ग्रेटर नोएडा पुलिस तलाश कर रही है। आपको बता दें कि इटावा के पंचगांव निवासी 22 साल की रचना कुमारी की शादी तीन साल पहले आगरा के गांव पछया निवासी तेजेंद्र के साथ हुई थी। रचना और तेजेंद्र की कोई संतान नहीं है। रचना कुमारी छह दिन पहले ही अपने पति तेजेंद्र के साथ ग्रेटर नोएडा आई थी। दंपति ने ग्रेटर नोएडा के गांव तुलकपुर में बीरम सिंह का मकान किराये पर लिया था। दोनों एक साथ रहने लगे, लेकिन मंगलवार की शाम एक ऐसी घटना घटी, जिसने सभी को झकझोर दिया। रचना कुमारी की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद से रचना का पति तेजेंद्र गायब चल रहा है। उसका मोबाइल भी बंद है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल में जुट गई है।

संभावना जताई जा रही है कि तेजेंद्र काम की तलाश में ग्रेटर नोएडा आया था। मंगलवार की शाम करीब छह बजे मकान मालिक बीरम सिंह ने महिला की हत्या की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की तो पता चला कि रचना का शव कमरे में पड़ा है। जबकि उसका पति वहां मौजूद नहीं था। रचना के गले पर निशान थे।

पुलिस का कहना है कि रचना की गला दबाकर हत्या की गई। एसीपी रामकृष्ण तिवारी का कहना है कि मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की गई। एफएसएल टीम ने भी निरीक्षण किया है। पति के नहीं मिलने और मोबाइल बंद होने से उस पर हत्या कर फरार होने का शक है। मायके पक्ष को सूचना दे दी गई है। जल्द वारदात का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

नोएडा की सड़कों पर किसानों का सैलाब, बोले इस बार करेंगे 'वोट से चोट'

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान परिषद के आह्वान पर मंगलवार को एक बार फिर किसानों का प्रस्ताव पास हो चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी प्राधिकरण के लागू नहीं कर रहा है। वहीं एनटीपीसी से प्रभावित 105 सैलाब नोएडा की सड़कों पर उमड़ पड़ा। नोएडा प्राधिकरण में लंबित मांगों तथा दादरी के एनटीपीसी योजना से प्रभावित गांवों के किसानों ने मंगलवार को नोएडा में बड़ा प्रदर्शन किया। किसानों ने इस बार ऐलान किया है कि, लोकसभा चुनाव 2024 में 'वोट से चोट' कर जवाब दिया जाएगा।



भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा के आह्वान पर आज बड़ी संख्या में नोएडा और दादरी के किसानों ने प्रदर्शन किया। किसान सुबह स्पाइस मॉल के पास एकत्रित हुए और वहां से उन्होंने नोएडा के सेक्टर 27 स्थित डीएम के कैंप कार्यालय तक जुलूस निकाला। किसानों को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। कूच के दौरान हुई धक्का मुक्की में एक वृद्ध किसान सड़क पर गिर गए और उनके सिर पर चोट आ गई। किसान हाथों में बैनर व पोस्टर लेकर जनप्रतिनिधियों के रवैये के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष, किसान नेता सुखबीर खलीफा ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण और एनटीपीसी पूरी तरह अलोकतांत्रिक रवैया अपना रही है। दोनों ही किसानों की बात सुनने को राजी नहीं हैं। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में 10 प्रतिशत आबादी भूखंड, कर्मश्रियल गतिविधियों व अन्य कुछ गांवों के किसानों की समस्याओं के निपटारे के लिए डीएम की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई थी, जिसकी सिफारिशों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आज किसानों ने अपनी बात इस जिले के मालिक को बताने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी मुख्यालय के सामने 18 दिसंबर 2023 से किसान कड़क की ठंड में बैठे हुए हैं, इसके बावजूद अभी तक कोई भी जनप्रतिनिधि किसानों की सुध लेने नहीं आया। सुखबीर खलीफा ने चेतावनी दी चाहे हमें दिल्ली कूच करना पड़े या नोएडा प्राधिकरण या एनटीपीसी पर ताला लगाना पड़े, हम अपना हक लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसान इस बार लोकसभा चुनाव में 'वोट से चोट' करेंगे। किसानों के इस प्रदर्शन के कारण काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल रहा। नोएडा की कई सड़कों पर काफी देर तक ट्रैफिक जाम की भी समस्या से वाहन चालकों को जूझना पड़ा।

16 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे



नोएडा (चेतना मंच)। सामूहिक विवाह योजनांतर्गत कुल 16 जोड़ों का धार्मिक विधि विधान से सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के 05, अल्पसंख्यक वर्ग के 01, अन्य पिछड़ा वर्ग के

08 व सामान्य वर्ग के 02 जोड़ों ने प्रतिभाग किया। सभी जोड़े विकासखण्ड बिसरख, दादरी, जेवर व दनकौर के निवासी थे। इस मौके पर श्रीमती अप्रीत कौर ब्लॉक प्रमुख, बिसरख, शैलेन्द्र बहादुर सिंह जिला

समाज कल्याण अधिकारी, लवेश सिंसोदिया जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, आशीष कुमार सिंह जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

युवक कांग्रेस के विजयी पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। हाल ही में जीते युवक कांग्रेस के पदाधिकारियों का सेक्टर-12 में सम्मान समारोह किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष जावेद खान, नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नीरज आवाना, प्रदेश महासचिव शहाबुद्दीन का संयुक्त रूप से जिला व शहर कांग्रेस के नेताओं ने जिले से निर्वाचित व चुनाव जीतने पर फूलमाला पगड़ी पहनकर स्वागत अभिनंदन किया।

इस मौके पर मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय शूटर किसान नेता पूनम पंडित, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश आवाना, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजकुमार भारती, जिला कांग्रेस कमेटी व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अभिषेक जैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ललित आवाना, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य यलेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जितेंद्र अमबावत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक राष्ट्रीय सचिव लियकत चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दयाशंकर पांडे, इंद्रजीत तिवारी, विक्रम चौधरी, वीरेंद्र मुखिया, योगेंद्र भाटी लडपुरा,



गुलाफाम, दिल्ली प्रदेश के केकेसी अध्यक्ष देव कुमार, सुशील रावत, राजू चौहान, गौरव आधाना, रामचंद्र गुप्ता, शेखर अग्रवाल, परवेज, प्रेम शाह, टीजे, सलमान, सुमित जाटव, उमर, पूतम, जीशान चौधरी, प्रिंस पंडित, पूजा जाटव, हाजी अली शेर खान पहलवान, दानिश, रिजवान, इमरान, शकील चौधरी, अर्जुन, अरुण, अमित शर्मा, मौसमी, सुमन, रोहित शर्मा, नरेंद्र, अभय, रोहित सिंह, अभिषेक अदानी, रवि गुप्ता व अन्य लोग मौजूद रहे।

सिलाई मशीन मिलने पर खिल उठे चेहरे

बागपत। राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में ब्राह्मण पंचायत एवं विचार गोष्ठी तथा शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ बागपत ही नहीं समस्त भारतवर्ष में समाज के गरीब तबकों की मदद में लगा रहता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आरडी शर्मा ने बताया आज के कार्यक्रम में जनपद बागपत के संगठन का विस्तार किया गया जिसमें राजेश शर्मा को जिला अध्यक्ष आरती शर्मा को जिला अध्यक्ष महिला विंग व विजय शर्मा को जिला अध्यक्ष युवा विंग नियुक्त



किया और जिला कमेटी व नगर कमेटी का भी गठन किया गया। कार्यक्रम में समाज की गरीब महिलाओं को गर्म कंबल दिए गए तथा कुछ महिलाओं को जीविका

चलाने के लिए सिलाई मशीन वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सचिव सुनील शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित

राष्ट्रीय महासचिव आदेश फौजी वेद प्रकाश शर्मा, रेनु शर्मा, कपिल शर्मा, कुसुम, नीरज, मुक्ता शर्मा, गीता शर्मा, पूजा शर्मा, मोनिका शर्मा आदि कैसे बहन भाई रहे।

एमटी विवि. में भारतीय वन सेवा अधिकारियों की कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। एमटी विश्वविद्यालय के एमटी स्कूल ऑफ नैचुरल रिसोर्सेज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों के लिए 'भारत में लकड़ी के उत्पादन और उपभोग पैटर्न और भविष्य के दायरे' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में हरियाणा, कर्नाटक, उड़ीसा, गुजरात और अन्य सहित विभिन्न संघों के 14 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सीएएमपीए के सीईओ और अतिरिक्त महानिदेशक सुभाष चंद्रा ने कहा कि हाल के दिनों में वनों से संबंधित कई मुद्दे सामने आये हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है जैसे कि हरित आवरण को कैसे बढ़ाया जाये, वन प्रमाणन और कानूनों से संबंधित समस्याओं पर भी। नवोन्मेषी सोच और नए जमाने की रणनीतियों को विशेष रूप से कौशल विकास और ग्रामीण बाजार के उपयोग में लागू करने की आवश्यकता है। एमटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. डब्ल्यू सेल्वामूर्ती ने



कहा कि लकड़ी का उत्पादन, उसके खपत को अनुपात में होना चाहिए। एमटी स्कूल ऑफ नैचुरल रिसोर्सेज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट के निदेशक डा एस पी सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा

कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य वन अधिकारियों को भारत वन क्षेत्र की चुनौतियों में समाधान प्रदान करने के लिए बातचीत करने और विचारों का आदान प्रदान करने का अवसर प्रदान करना है।



ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS

WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!




Certified by :





Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuidcon.com

सुमित पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

ग्रेंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले 1989 के बाद पहले भारतीय

यूएस (एजेंसी)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में प्रवेश किया। साल 2021 में नागल को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में वाइल्ड कार्ड पट्टी मिली थी, लेकिन तब वह हार गए थे। वर्ल्ड रैंकिंग में 137वें नंबर के खिलाड़ी सुमित ने मंगलवार को टूर्नामेंट के पहले राउंड में दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी बुब्लिक को सीधे सेटों में हराया। 26 साल के नागल ने 2 घंटे 38 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में बुब्लिक पर 6-4, 6-2, 7-6 से जीत दर्ज किया। 34 साल के बाद किसी ग्रेंड स्लैम में भारतीय मॅंस सिंगल्स खिलाड़ी की किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पर यह पहली जीत है। इससे पहले, रमेश कृष्णन ने 1989 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैट्स विलेंडर को हराया था। बुब्लिक को ऑस्ट्रेलियन



ओपन 2024 में 31वां सीड मिला है। वर्ल्ड रैंकिंग में 137वें नंबर के खिलाड़ी सुमित ने टूर्नामेंट के पहले राउंड में बुब्लिक को 6-4, 6-2, 7-6 से हराया। टूर्नामेंट के आयोजक तय करते हैं

सीड - बड़े टेनिस टूर्नामेंट में सीडिंग का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रेंड स्लैम जैसे विंबलडन, यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में सीड मिलती है। सीड किसी खिलाड़ी की ओवरऑल

रैंकिंग न होकर किसी टूर्नामेंट में मिली रैंकिंग होती है। ये सीड टूर्नामेंट के आयोजक ही तय करते हैं। सीड खिलाड़ी की दुनिया में मौजूदा रैंकिंग से ही तय होती है। सीड एक टूर्नामेंट के लिए टेम्परी तौर पर मिलती है।

टॉप सीड प्लेयर्स को मिलता है फायदा - जिस खिलाड़ी को टॉप सीड दी जाती है, उसे टूर्नामेंट में बेस्ट ड्रॉ (मैच) दिया जाता है, ताकि हार्ड सीडेड प्लेयर टूर्नामेंट के आखिरी तक पहुंचें। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में टॉप-3 मॅंस सीड प्लेयर में नोवाक जोकोविच पहले, कार्लोस अल्कारेज दूसरे और डेनियल मेदवदेव तीसरे नंबर पर हैं।

क्वालिफायर्स राउंड में एक भी सेट नहीं हारे थे सुमित -नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वालिफायर्स के पहले दौर में फ्रांस के जेफ्री ब्लैकनॉक्स को 6-3, 7-5 से हराया था। वहीं दूसरे राउंड में ऑस्ट्रेलियाई एडवर्ड विलेंडर को 6-

3, 6-2 से हराया था। वहीं फाइनल राउंड में स्लोवाकिया के एलेक्स मोल्कन को 6-4, 6-4 से हराकर 2021 के बाद पहली बार किसी ग्रेंड स्लैम के मेन राउंड में जगह बनाई। क्वालिफायर्स के राउंड में स्लोवाकिया के एलेक्स मोल्कन को 6-4, 6-4 से हराया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन का इतिहास - ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रेंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैम्पियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैम्पियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

दीप्ति शर्मा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनीं

पैट कमिंस ने मॅंस कैटेगरी का अवॉर्ड जीता, पाकिस्तान के खिलाफ झटके थे 19 विकेट



दुबई (एजेंसी)। भारत की दीप्ति शर्मा को इंटरनेशनल क्रिकेट कार्डिसल (आईसीसी) ने प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया है। मंगलवार को आईसीसी ने इसकी घोषणा की। वहीं मॅंस क्रिकेटर्स में ऑस्ट्रेलियाई पैट कमिंस को यह अवॉर्ड दिया गया। आईसीसी ने दिसंबर 2023 के टॉप परफॉर्मर्स को यह अवॉर्ड दिया। दीप्ति के साथ अवॉर्ड की रेस में भारत की ही जेमिमा रोड्रिगज और जिम्बाब्वे की प्रेशियस मरांज भी थीं। वहीं मॅंस कैटेगरी में बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम और न्यूजीलैंड के र्लेन फिलिप्स रेस में थे।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था शानदार प्रदर्शन

दीप्ति ने पिछले महीने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की दोनों पारियों में 9 विकेट झटके थे। उन्हें पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में 4 विकेट मिले थे। इतना ही नहीं उन्होंने बैट से 67 रन भी बनाए थे। इंग्लैंड के बाद दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट में 8 विकेट लिए, उन्होंने बैट से 78 रन भी बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में उन्होंने महज 38 रन देकर 5 विकेट लिए थे। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने के बाद दीप्ति ने कहा, दिसंबर के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे खुशी है कि पिछले महीने मजबूत टीमों के खिलाफ मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकी। मैं कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगी ताकि भविष्य में मुझे ऐसे और भी पल मिल सकें।

पैट कमिंस प्लेयर ऑफ द मंथ बनने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मॅंस प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीता। वह इस अवॉर्ड को जीतने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलिया पुरुष बने। उनसे पहले नवंबर में ट्रैविंस हेड को यह अवॉर्ड मिला था। वहीं डेविड वॉर्नर ने नवंबर 2021 में इस अवॉर्ड को जीता था। पैट कमिंस ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 19 विकेट लिए। दूसरे टेस्ट में तो उन्होंने दोनों पारियों में 5-5 विकेट झटके थे। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड मिला। वहीं तीसरे टेस्ट के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला।

एग्नेस नगोटिच ने 10 किमी दौड़ में विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

29 मिनट से भी कम समय में पूरी की रेस

केन्या (एजेंसी)। केन्या की एग्नेस नगोटिच ने स्पेन में वालेंसिया इबरकाजा रोड रेस जीतकर 29 मिनट से कम समय में 10 किमी दौड़ने वाली पहली महिला बन गई हैं।



22 वर्षीय खिलाड़ी ने 28 मिनट 46 सेकंड में रेस पूरी की और इथियोपिया के यालेमजफर्न येहुआलाव के 2022 रोड वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हमवतन इमैबयुलेट आन्यांगो ने भी 29 मिनट से कम समय में दौड़ लगाई और 28:57 में दूसरे स्थान पर रहे। नगोटिच ने महिलाओं की एकमात्र दौड़ में बीटाइस चेंबेट के 5 किमी के 14:13 के विश्व

रिकॉर्ड की बराबरी भी की जिसे उन्होंने दो सप्ताह पहले बनाया था। नगोटिच के 10 किमी के समय ने महिलाओं के 10,000 मीटर ट्रेक के 29:01.03 के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा जो इथियोपिया की लेटेसेनबेट गिडी के पास था। नगोटिच ने सितंबर में महिलाओं की एकमात्र दौड़ में 29:24 के समय के साथ 10 किमी का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। नगोटिच ने कहा, मैं बहुत खुश हूँ। ईमानदारी से कहूँ तो, मेरा स्पष्ट लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना था लेकिन 28:46

किसी भी उम्मीद से परे है। जब मैंने आधे रास्ते में 14:13 देखा तो मैं डरी नहीं, इसने मुझे अंत तक प्रयास जारी रखने के लिए बहुत प्रेरित किया। अब वह मार्च में विश्व एथलेटिक्स क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप बेलग्रेड 24 और फिर पेरिस 2024 ओलिंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जहां अगस्त में एथलेटिक्स नंबर 1 खेल होगा।

रणजी ट्रॉफी दूसरा राउंड

मुंबई ने आंध्र को 10 विकेट से हराया, रोमांचक मुकाबले में 6 रन से हारा कर्नाटक

मुंबई (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी के इस सीजन के दूसरे राउंड के आखिरी दिन सोमवार को मुंबई ने आंध्र प्रदेश को 10 विकेट से हरा दिया। मुंबई के शम्स मुलानी ने दोनों पारी में 5-5 विकेट लिए और 10 विकेट हॉल पूरा किया। मुंबई की टीम फिलहाल एलिट के रूप में टॉप मौजूद है। रणजी सी में गुजरात ने कर्नाटक को 6 रन से हराया। दूसरे राउंड के मैच 12 जनवरी से शुरू हुए थे, जिसका सोमवार को आखिरी दिन था।

मुंबई के कोटियन और अवस्थी के अर्धशतक - एलिट रूप में मुंबई के शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेले गए रास्ते में मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 395 रन बनाए। भूपेन लवानी (61), तनुष कोटियन (54) और मोहित अवस्थी (53) ने अर्धशतक लगाए। इनके अलावा श्रेयस अय्यर ने भी 48 रनों का योगदान दिया।

आंध्र की ओर से नीतीश रेड्डी ने पांच



विकेट झटके। जबकि धवल कुलकर्णी और शम्स मुलानी की घातक गेंदबाजी के सामने आंध्र की पहली पारी सिर्फ 184 रन पर सिमट गई। धवल ने तीन और मुलानी ने छह विकेट लिए। इस मैच के बाद भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा- मैं वर्तमान के बारे में सोचता हूँ। मैंने वह मैच पूरा कर लिया है, जो मुझे खेलने के लिए कहा गया था (आंध्र के खिलाफ रणजी

मैच)। मैं आया और मैं खेला इसलिए मैं जो कर रहा हूँ उससे खुश हूँ। इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज पर अय्यर बोले- मैं ज्यादा आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात जीता - सिद्धार्थ देसाई के 42 रन पर 7 विकेट और अर्धशतक में गुजरात ने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक के खिलाफ रोमांचक 6 रन से जीत हासिल की। दिन की शुरुआत में 171/7 पर करने के बाद उमंग कुमार (57) और चिंतन गाजा (23) ने गुजरात को अपने दूसरी पारी में 219 के साथ समाप्त की। जीत के लिए कर्नाटक को 110 रनों की जरूरत थी और एक समय स्कोर 50/0 होने के बाद कर्नाटक 53 रन बनाकर कुल 103 रन पर आउट हो गया। देवदत्त पट्टिकल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। वहीं, कानपुर में आखिरी दिन कोई मैच नहीं हो सका, जिससे उत्तर प्रदेश और बंगाल के बीच मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

कमिंस बोले- स्मिथ को इतना खुश कभी नहीं देखा

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली बार ओपनिंग करेंगे स्टीवन; कहा- बैटिंग का इंतजार पसंद नहीं

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उन्होंने स्टीवन स्मिथ को इतना खुश पहले कभी नहीं देखा। वहीं स्मिथ ने कहा कि उन्हें बैटिंग के लिए इंतजार करना पसंद नहीं। इसीलिए उन्होंने ओपनिंग करने के लिए टीम मैनेजमेंट से कहा। अब वेस्टइंडीज के खिलाफ 17 जनवरी से शुरू हो रहे टेस्ट में वह पहली बार ओपनिंग करने उतरेंगे। स्मिथ के साथ उसमान ख्वाजा ओपन करेंगे। वहीं नंबर-4 की पोजिशन पर कैमरन ग्रीन खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन पहले ही अपनी प्लेइंग-11 घोषित कर दी थी। अब वेस्टइंडीज ने भी पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है।

कमिंस बोले- स्मिथ को इतना उत्साहित कभी नहीं देखा - ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, मैंने स्मिथ को किसी टेस्ट के लिए इतना उत्साहित पहले कभी नहीं देखा। वह नेट्स में कुछ ज्यादा ही खुश नजर आ रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि नई गेंद से रन बनाने में आसानी होगी। इतने बड़े लेवल का खिलाड़ी अगर किसी पोजिशन पर बैटिंग करना चाहें तो आप



उनका सम्मान करते हैं। हमने भी स्मिथ के साथ वही किया। स्मिथ को बैटिंग का इंतजार करना पसंद नहीं - स्मिथ ने कहा, वॉर्नर ने रिटायरमेंट के बाद तय था की ग्रीन (कैमरन) ही प्लेइंग-11 में शामिल होंगे। लेकिन उन्हें ओपनिंग का एक्सपीरियंस नहीं

है। मार्नस (लाबुशेन) भी नंबर-3 पर बैटिंग करते हैं और मुझे ऐसे में बैटिंग के लिए लम्बा इंतजार करना पड़ता था। मुझे ये पसंद नहीं। ग्रीन नंबर-4 के बैटर हैं और वह मेरी जगह संभाल सकते हैं। लेकिन वॉर्नर के जाने से मुझे ओपनिंग करने का मौका मिलेगा और मैं वहां ज्यादा अच्छे से फिट हो सकता हूँ। इस कडीशन में देश के टॉप-6 बैटर्स टीम का हिस्सा बन सकेंगे। मैंने लम्बे समय तक नंबर-3 पर भी बैटिंग की है, इसलिए जानता हूँ कि नई गेंद को कैसे खेलना है।

स्मिथ ने इंग्लैंड में बना लिया था ओपनिंग का मन - टेस्ट में पहली बार ओपनिंग करने के फैसले पर स्मिथ ने कहा, मैंने 2019 में इंग्लैंड के खिलाफ ऐंशेज सीरीज में भी ओपनिंग करने का सोचा था। तब मुझे ज्यादातर मैचों में नई गेंद ही खेलने को मिली। फिर वॉर्नर ने रिटायरमेंट का फैसला कर लिया, तब मैंने मैनेजमेंट से कहा कि मुझे ओपनिंग करनी है। मैनेजमेंट ने मुझे सीरियसली नहीं लिया। नई गेंद से रन बनाने में आसानी होती है। मिडिल ऑर्डर में आते-आते बॉल साँफ्ट हो

जाती है, तब मुझे रन बनाने में दिक्कत होती है। अब क्रीज पर आते ही नई गेंद का सामना करूंगा तो तेजी से रन भी बना सकूंगा।

ऑस्ट्रेलिया में 2 टेस्ट खेलेगा वेस्टइंडीज - वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2 टेस्ट की सीरीज कल यानी 17 जनवरी से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला एडिलेड में भारतीय समयानुसार सुबह 5.00 बजे से शुरू होगा। मुकाबले से पहले दोनों ही टीमों में अपनी-अपनी प्लेइंग-11 भी घोषित कर दी है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11 वेस्टइंडीज- क्रीग ब्रैथवैट (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, कर्क मैकेंजी, एलिक एथनाज, केवम हॉज, जस्टिन ग्रीव्स, जोशुआ दा सिल्वा (विकेटकीपर), गुडकेश मोती, अलजारी जोसेफ, शमार जोसेफ और केमार रोच। ऑस्ट्रेलिया- पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, उसमान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, ट्रैविंस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और जोश हेजलवुड।

आज अफगानिस्तान का सूपड़ा साफ करने उतरेगा भारत, कुलदीप-आवेश की वापसी संभव



बंगलुरु (एजेंसी)। श्रृंखला जीत चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी टी20 मैच में इस लय को बरकरार रखते हुए 'बलीन स्वीप' के इरादे से उतरेगी और कप्तान रोहित शर्मा के फॉर्म में लौटने की भी उम्मीद कर रही होगी।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत का आखिरी टी20 मैच है। मोहली और इंदौर में मिली जीत के बाद टीम प्रबंधन कोई कोताही बरतना

नहीं चाहेगा। दोनों मैचों में छह विकेट से मिली जीत में पहली ही गेंद से आक्रमण की भारत की रणनीति अहम रही। भारत ने पहली पारी में 159 रन का लक्ष्य 17.3 ओवर में और दूसरे में 173 रन का लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

इससे पहले टी20 में भारतीय टीम शुरू में सावधानी से खेलकर आखिरी ओवरों में हाथ खोलने की रणनीति अपनाती आई है। लेकिन अब बल्लेबाज पहली गेंद से ही आक्रामक खेल रहे हैं और शिवम दुबे तथा विराट कोहली ने इसकी बानगी पेश की। करीब 14 महीने बाद पहला टी20 खेल रहे कोहली ने इंदौर में 16 गेंद में 29 रन बनाए। उन्होंने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीबुर रहमान का बखूबी सामना किया और उनकी सात गेंदों में 18 रन बनाए। आम तौर पर कोहली स्पिनरों के खिलाफ धीमा खेलते हैं लेकिन इस मैच में उलटा देखने को मिला। वहीं दुबे पिछले साल डबलिन में आयर्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये तीन साल बाद भारतीय टीम में लौटे। उसके बाद उन्होंने एशियाई खेलों में भाग लिया लेकिन ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में जगह नहीं मिली।

मेसी बने फीफा फुटबॉलर ऑफ द ईयर

मैनचेस्टर सिटी (एजेंसी)। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने फीफा फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीत लिया है। उन्हें पीएसजी और इंटर मिामी क्लब के साथ नेशनल टीम के लिए परफॉर्मंस के आधार पर अवॉर्ड मिला। मेसी ने लगातार दूसरे साल यह अवॉर्ड जीता है। स्पेन की आइताना बोनमती विमेंस फुटबॉलर ऑफ द ईयर बनीं। वह बार्सिलोना के लिए क्लब फुटबॉल खेलती हैं। वहीं मैनेचेस्टर सिटी के पेप ग्वार्डिओला को बेस्ट कोच का अवॉर्ड मिला। आइताना बोनमती एक ही साल में विमेंस फुटबॉलर के 4 टॉप अवॉर्ड जीतने वाली पहली प्लेयर बनीं। उन्होंने यूएफा प्लेयर ऑफ द ईयर, बैलन डी और और वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल का अवॉर्ड भी जीता।

हालैंड-एमबापे को हराकर जीते मेसी - फुटबॉलर ऑफ द ईयर की रेस में मेसी के साथ नॉर्वे के अलिंग हालैंड और फ्रांस के किलियन एम्बापे भी थे। एम्बापे को वोटिंग में 35 पॉइंट्स मिले और वह तीसरे नंबर पर रहे। हालैंड को मेसी के बराबर 48 पॉइंट्स ही मिले। टॉप पोजिशन टाई हो गई थी, तब टाई-

ब्रेकर का इस्तेमाल किया गया। लियोनल मेसी ने लगातार दूसरे साल फीफा मॅंस फुटबॉलर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीता। मॅंस नेशनल टीम के 13 कप्तानों ने मेसी को वोट किया, जबकि हालैंड को 11 कप्तानों के ही वोट मिले। टाई-ब्रेकर में 2 पॉइंट से आगे रहने के कारण मेसी को विजेता माना गया और उन्होंने लगातार दूसरे साल फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीत लिया। नॉर्वे के अलिंग हालैंड फीफा फुटबॉलर ऑफ द ईयर की रेस में टॉप कर्टेडर थे। वह लियोनल मेसी से टाई-ब्रेकर में हार गए।

बोनमती ने एकतरफा अंदाज में जीता अवॉर्ड - स्पेन की आइताना बोनमती विमेंस फुटबॉलर ऑफ द ईयर बनीं। उन्हें वोटिंग में 52 पॉइंट्स मिले। कप्तान, कोच, मीडिया और फैंस सभी से उन्हें 13-13 पॉइंट्स मिले, जिस कारण वह पहले नंबर पर रहीं। बोनमती ने 2023 का विमेंस बैलन डी और भी जीता था। फुटबॉल इंडस्ट्री में बैलन डी और सबसे बड़ा इंडिविजुअल अवॉर्ड माना जाता है। विमेंस में कोनोबिया की लिंडा कास्टेरो 40 पॉइंट्स के साथ दूसरे और स्पेन की ही



जेनिकर हरमोसो 36 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर रहीं। आइताना ने इसी साल बैलन डी और, यूएफा प्लेयर ऑफ द ईयर, वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल और बेस्ट फीफा प्लेयर का अवॉर्ड जीता। वह एक ही साल में चारों अवॉर्ड जीतने वाली पहली प्लेयर बनीं। स्पेन की आइताना बोनमती ने फीफा विमेंस फुटबॉलर ऑफ द ईयर का खिताब जीता। वह महज 25 साल की हैं।

गिलहर्म मद्रुगा का बाइसिकल किक गोल ऑफ द ईयर - ब्राजील के गिलहर्म मद्रुगा को पुरस्कृत अवॉर्ड मिला। ये अवॉर्ड सिलवा का बेस्ट गोल मारने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। मद्रुगा ने 27 जून 2023 को पेनल्टी बॉक्स के बाहर से बाइसिकल किक के जरिए गोल मारा था। इसे फीफा ने गोल ऑफ द ईयर घोषित किया। मिर्झफख्दर मद्रुगा ने सीरी-बी लीग में बोटाफोगो क्लब से खेलते हुए नोवोरोजिन्टो के खिलाफ गोल दगा था। गोल ऑफ द ईयर की रेस में पैराग्वे के जूलियो एन्सिको और पुर्तगाल के नुनो सान्तिस भी थे। मद्रुगा पुरस्कृत अवॉर्ड जीतने वाले ब्राजील के तीसरे

हालैंड-एमबापे को हराया, आइताना बोनमती बेस्ट विमेंस प्लेयर, पेप ग्वार्डिओला बेस्ट कोच

ही खिलाड़ी बने। उनसे पहले 2011 में नेमार और 2015 में वेंडेला लिरा भी इस अवॉर्ड को जीत चुके हैं। 23 साल के गिलहर्म मद्रुगा को पुरस्कृत अवॉर्ड मिला। उन्होंने सीरी-बी लीग में गोल ऑफ द ईयर स्कोर किया।

सरिना वीगमैन बेस्ट विमेंस कोच - नीदरलैंड की सरिना वीगमैन ने विमेंस कोच ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता। वह फिलहाल इंग्लैंड विमेंस टीम की कोच हैं। वीगमैन को वोटिंग में 28 पॉइंट्स मिले। इंग्लैंड की एमा हेस (18 पॉइंट्स) दूसरे और स्पेन की जोनाटन जियार्लेज (14 पॉइंट्स) तीसरे नंबर पर रहीं। इंग्लैंड विमेंस टीम की हेड कोच सरिना वीगमैन लगातार दूसरे साल फीफा कोच ऑफ द ईयर बनीं।

ह्यूगो डेनियल फैन ऑफ द ईयर - अर्जेंटीना के ह्यूगो डेनियल टोटो इनिगेज को फीफा फैन अवॉर्ड मिला। टोटो अपने 2 महीने के बेटे के साथ अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए ग्राउंड पहुंचे थे। मैच के दौरान टोटो बेटे को बातल से दूध पिलाने नजर आए थे। उनके सपोर्ट और इंसिपेरेशनल स्टोरी को फीफा ने बेस्ट फैन कैटेगरी का अवॉर्ड दिया।

एडरसन और मैरी ईर्प्स बेस्ट गोलकीपर

ब्राजील के एडरसन ने मॅंस गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता। उन्हें 23 पॉइंट्स मिले। एडरसन मैनेचेस्टर सिटी क्लब के लिए भी गोलकीपर करते हैं। गोलकीपर कैटेगरी में बेलिजियम के थियाबॉट कर्टीइस 20 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं मोरक्को के यासिन बोनो ने 16 पॉइंट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ब्राजील के एडरसन ने फीफा गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता। विमेंस गोलकीपर में इंग्लैंड की मैरी ईर्प्स बेस्ट रहीं। वह मैनेचेस्टर यूनाइटेड के लिए क्लब फुटबॉल खेलती हैं। दूसरे नंबर की कॉर्पिटेटर से मैरी 14 पॉइंट्स आगे रहीं, उन्हें 28 पॉइंट्स मिले। जबकि स्पेन की कैटलिना कॉल (14 पॉइंट्स) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की मैकेंजी आरनोल्ड (12 पॉइंट्स) तीसरे नंबर पर रहीं। इंग्लैंड की मैरी ईर्प्स ने विमेंस गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता।

ओह माय वाइफ! सीरीज में पहली बार एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं लोकेश बट्टा

अभिनेता लोकेश बट्टा ने अपने करियर में पहली बार वॉच एक्स्क्लूसिव वेब सीरीज ओह माई वाइफ! में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई। हाल ही में वॉच पर लॉन्च हुए इस शो में वे रणवीर के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी हैं और एक हाई प्रोफाइल हत्या मामले की जांच कर रहे हैं। अभिनेता ने इस सीरीज के लिए अपनी हामी भरने के पीछे के कारणों और इस किरदार के लिए अपनी तैयारी और लोगों से मिली प्रतिक्रिया का खुलासा करते हुए कई खास बातें बताईं। ओह माई वाइफ के लिए हॉ कने और इसकी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए अभिनेता लोकेश बट्टा ने कहा, इस सीरीज की कहानी अपने आप में बहुत प्रभावशाली थी और मुझे

यह स्वीकार करना होगा कि मेरा किरदार इतनी खूबसूरती से लिखा गया था कि मुझे लगा जैसे यह मेरे लिए ही बना है। इसके अलावा, जिस तरह से निर्देशक शौर्य सिंह ने इसे मेरे सामने पेश किया, मैं इसके लिए हॉ कने से खुद को रोक नहीं पाया। मेरा किरदार एक साहसी, मजबूत और गंभीर रूप से सोचने वाला व्यक्ति है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक बहुत सक्रिय श्रोता है और यह खुबियां एक पुलिस वाले के लिए बहुत जरूरी है। इन सभी गुणों ने मुझे चरित्र की ओर आकर्षित किया और हमने केवल एक या दो शॉट में सब कुछ बड़ी तेजी से शूट किया।

मजबूरी में एक्टर बने विजय सेतुपति, अब फीस 15 करोड़

विजय सेतुपति आज 46 साल के हो गए हैं। इन्हें आपने शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'जवान' में विलेन काली गायकवाड़ के रोल में देखा होगा। 12 जनवरी, 2024 को इनकी एक और फिल्म 'मेरी क्रिसमस' रिलीज हुई है। इसमें वो कटरीना कैफ के अपोजिट नजर आए हैं। इन दो हिंदी फिल्मों के अलावा विजय ने साउथ की कई बड़ी फिल्मों में काम किया है, जैसे विक्रम वेधा, सुपर डीलक्स आदि। वो

तमिल सिनेमा के चर्चित सुपरस्टार्स में से एक हैं। उन्होंने अपने 10 साल लंबे करियर में तकरीबन 50 फिल्मों में काम किया है, लेकिन विजय के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। शुरुआती दिनों में उन्होंने कैशियर, सेल्समैन, फोन बूथ ऑपरेटर जैसी छोटी-मोटी नौकरियां कीं। ज्यादा सैलरी के लालच में इंडिया छोड़कर दुबई तक चले गए, लेकिन बात नहीं बनी। एक्टिंग से उनका कोई वास्ता नहीं था, लेकिन साउथ के फेमस डायरेक्टर की एक बार उन पर नजर पड़ी। उन्हें विजय का चेहरा काफी फोटोजेनिक लगा। इस डायरेक्टर ने उन्हें फिल्मों में काम करने की सलाह दी। विजय ने ये सलाह मानकर फिल्मों में किरमत्त आजमाई और नतीजा सबके सामने है। वो अब तक अपने फिल्मी करियर में एक नेशनल अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। विजय ने एक्टिंग की कोई ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन टीवी सीरियल और फिल्मों में काम करते हुए ही वो इसकी बारीकियों पर ध्यान देने लग गए। एक इंटरव्यू में विजय ने कहा था, उस दौरान मैंने सिनेमा के बारे में सीखना शुरू कर दिया था, स्क्रिप्ट क्या होती है, डायलॉग डिलीवरी क्या होती है। ये सब मुझे काम करने के दौरान ही समझ में आया। मैंने असिस्टेंट डायरेक्टर को अपना दोस्त बना लिया और उनके साथ फिल्म देखने जाता था। वो कहते थे-ये बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा है। ये सीन अच्छे से शूट नहीं किया, ये सीन अच्छा है आदि। इससे मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की फिल्म 'क्रैक' 23 फरवरी को रिलीज होगी

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की अपकमिंग फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' का पहला गाना 'दिल झूम' रिलीज कर दिया गया। गाने में विद्युत और नोरा की जबरदस्त कैमिस्ट्री देखने को मिली है। बता दें विद्युत जामवाल फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' में नोरा फतेही के साथ पहली बार नजर आएंगे। फिल्म का पहला गाना रिलीज होने के बाद से उनके फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें 'क्रैक' एक स्पॉट्स एक्शन फिल्म होगी। 'दिल झूम' गाने में विद्युत जामवाल और नोरा के बीच रोमांटिक कैमिस्ट्री दिखाई गई है। बता दें दोनों पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। उनके फैंस को ये जोड़ी खूब पसंद आ रही है। गाने की शुरुआत कुछ ऐसे होती है कि विद्युत कार के सामने खड़े रहते हैं, सामने से नोरा हाथ में कॉफी लेकर आती दिखाई देती हैं। पूरे गाने में दोनों अपने स्पेशल मोमेंट्स को एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं। टीजर में नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी नजर आ रहे हैं। एमी जैक्सन की हाथ में गन लिए कमाल की झलक दिखाई दी है। वहीं अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही भी शानदार अंदाज में नजर आए हैं। एक बार फिर कमांडो-3 के डायरेक्टर आदित्य दत्त और एक्टर विद्युत जामवाल साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में जाहिर सी बात है कि फिल्म में एक्शन, रोमांच, थ्रिल की कोई कमी नहीं होगी। इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी विद्युत जामवाल हैं। फिल्म 23 फरवरी को विद्युत के प्रोडक्शन हाउस एक्शन हीरो फिल्मस् तले सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



इंडियन पुलिस फॉर्स के लिए शिल्पा ने बढ़ाया वजन

अभिनेत्री शिल्पा शेड्डी इंडियन पुलिस फॉर्स के साथ अपना ओटीटी डेब्यू कर रही हैं। निर्देशक रोहित शेड्डी की कॉपी युनिवर्स की वे पहली फीमेल कॉपी हैं। अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 जनवरी को रिलीज की जाएगी। इस सीरीज में शिल्पा, सशक्त महिला पुलिसकर्मी तारा शेड्डी की भूमिका निभाएंगी। हेल्थ और फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली प्रसिद्ध अभिनेत्री ने गुरुसैल महिला पुलिसकर्मी की

भूमिका के लिए अपनी तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अनुशासन और निरंतरता के महत्व पर जोर देते हुए, शिल्पा ने कहा, आपको अनुशासन और निरंतरता की आवश्यकता है। मेरी दिनचर्या और जीवनशैली काफी संतुलित है। मैं अपना रात का खाना शाम 7 बजे तक खा लेती हूँ और 14 घंटे का उपवास रखती हूँ। मैं आमतौर पर उच्च प्रोटीन लॉ कार्ब डाइट का पालन करती हूँ लेकिन जब आप काम कर रहे होते हैं, तो

आपको भूमिका और उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप ढलने की आवश्यकता होती है। रोहित चाहते थे कि मैं अपने पैरों के वजन क्योंकि वह एक सख्त अधिकारी चाहते थे। इसलिए चरित्र में ढलने के लिए, मैंने अपना डाइट बदल दिया और अतिरिक्त वजन बढ़ाया।



रकुल प्रीत सिंह ने किया खुलासा कैसे पड़ीं जैकी भगनानी के प्यार में

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कूट दिनों से सुर्खियों में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री इस साल फरवरी में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी से शादी कर लेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल और जैकी 22 फरवरी को गोवा में सात फेरे लेंगे। इस जोड़े को पिछले हफ्ते मुंबई में राम मंदिर प्रतिकृति रथ पर पूजा करते हुए भी देखा गया था। रकुल के लिए हाल ही में एक और बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उन्होंने बॉलीवुड में एक दशक पूरा कर लिया है। इसी कड़ी में रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे करने और लव लाइफ पर खुलकर बात की है। रकुल प्रीत सिंह ने बॉलीवुड में 10 साल पूरे करने पर अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने कहा, मैं आज जहां हूँ उससे बहुत संतुष्ट हूँ। इंडस्ट्री से बाहर की होने के नाते, मुझे शुरू में नहीं पता था

कि चीजों को कैसे करना है, लेकिन फिर मैं आभारी हूँ कि चीजें मेरे लिए काम कर गईं। रकुल प्रीत सिंह ने अपने होने वाले पति जैकी भगनानी के बारे में भी बात की। उन्होंने साझा किया कि कैसे उनकी भावनात्मक अनुकूलता उन्हें पेशेवर रूप से भी मदद करती है। रकुल ने बताया, मैं काफी लंबे समय से सिंगल थी, लेकिन पार्टनर का होना एक बहुत ही स्वाभाविक प्रक्रिया है। दुर्भाग्य से, यदि आप फिल्मी जगत का हिस्सा हैं तो बहुत सारी अटकलें हैं। लेकिन हम सभी मनुष्य हैं जो भावनात्मक अनुकूलता और निभरता चाहते हैं। हालांकि, मैं एक बहुत ही स्वतंत्र लड़की हूँ, फिर भी ऐसे दिन आते हैं जब मैं अपनी छुट्टी के दिनों में सिर्फ जैकी से बातें करना चाहती हूँ। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अभिनेता के जन्मदिन पर अपने रिश्ते को

आधिकारिक बना दिया। रकुल प्रीत सिंह ने आगे जोड़ा, लेकिन वह मेरे प्रोफेशनल स्पेस को समझते हैं क्योंकि वह उसी इंडस्ट्री से हैं और इससे एक महिला के तौर पर मैं उनके साथ काफी सुरक्षित महसूस करती हूँ। भावनात्मक संतुलन बनाए रखने से मैं पेशेवर तौर पर जो भी करती हूँ, उस पर असर पड़ता है। हालांकि उन्होंने अपनी शादी की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रकुल ने इस बारे में विस्तार से बात की कि वह जैकी के साथ कार्य-जीवन संतुलन कैसे बनाए रखना पसंद करती हैं।



फिल्म जिगरा में नजर आ सकते हैं वेदांग रैना

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा में वेदांग रैना नजर आ सकते हैं। फिल्म में उन्हें आलिया के भाई के रोल में देखा जा सकता है। हालांकि, मेकर्स या वेदांग की तरफ से इस खबर को सही करार नहीं किया गया है। वेदांग रैना का कहना है कि उन्हें खुशी होगी, अगर वो इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे। मगर, उन्हें भी इससे जुड़ी जानकारी नहीं है। वेदांग को हाल ही में फिल्म आर्चीज में देखा गया था। इस डेब्यू फिल्म की शूटिंग के पहले दिन वो बहुत नर्वस थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक हालिया इंटरव्यू में किया है। वेदांग ने बताया कि वो कभी एक्टर नहीं बनना चाहते थे। वो म्यूजिक फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। 17 या 18 साल की उम्र में उन्होंने अपना पोर्टफोलियो एक एजेंसी को भेजा और वहीं से ऑडिशन देने का सिलसिला शुरू हुआ। फिल्म जिगरा में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा- हर कोई मुझसे यह पूछता रहता है, लेकिन मुझे भी इस बारे में कुछ नहीं पता है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात है। अफवाहें हमेशा उड़ती रहेंगी, लेकिन आलिया भट्ट के भाई का किरदार निभाना एक बहुत ही दिलचस्प मौका है। बता दें, फिल्म जिगरा में आलिया पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी। फिल्म करण जोहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। फिल्म 27 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। वेदांग ने फिल्म आर्चीज में पहली बार खुशी कपूर के साथ काम किया था। उन्होंने खुशी कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए कहा कि उन्हें लगा था कि पहला दिन तनाव में बीतेगा। वो इस बात को लेकर परेशान थे कि खुशी के उनकी दोस्ती हो पाएगी या नहीं। मगर, कुछ समय में दोनों बहुत दोस्त बन गए। खुशी के साथ उनका यह सफर अच्छा रहा।



वर्ष 2024 की पहली ब्लॉकबस्टर होगी फाइटर

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर का टीजर कुछ दिन पहले ही आया था। फिल्म की प्रोडक्शन वैल्यू, शानदार विजुअल्स और एक्शन का जो हिट टीजर में मिला था, उसने जनता को फिल्म देखने के लिए बहुत एक्साइटेट कर दिया था। फिल्म के तीन गाने भी आ चुके हैं और इन्हें खूब पसंद किया जा रहा है। मगर मेकर्स ने फाइटर के प्रमोशन का सबसे दमदार हथियार, फिल्म का ट्रेलर रिलीज से कुछ दिन पहले के लिए बचा कर रखा था। अब फाइनेली फिल्म का ट्रेलर आ गया है और इसे देखने के बाद जनता यही चाहेगी कि फाइटर जल्दी से थिएटर्स में पहुंचे।

2019 में वॉर और पिछले साल पटान जैसी तूफानी एक्शन एंटरटेनर डिलीवर करने के बाद, डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद फाइटर लेकर आ रहे हैं। ये पहली बार है जब बॉलीवुड फिल्म में परियल एक्शन ट्राई किया जा रहा है। फाइटर के विजुअल्स बता रहे हैं कि सिद्धार्थ ने एक बार फिर से अपनी फिल्म में एक्शन को एक नए लेवल पर पहुंचा दिया है। फाइटर का ट्रेलर बताया है कि इंडियन एयरफोर्स ने देश की सुरक्षा पर खतरा होने की सूत्र में, तुरंत जवाब देने के लिए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम बनाई है। शशेश्वर पटानिया उर्फ पैटी (ऋतिक रोशन) और मीनल राठौर यानी मिनी दीपिका पादुकोण, इसी टीम का हिस्सा हैं। इस टीम को लीड कर रहे रूफ केप्टन राकेश जय सिंह यानी रॉकी का ऑर्डर है कि सब लोग आपसी बॉन्डिंग टाइड रखें क्योंकि मुश्किल दौर में यही काम आएगा। लेकिन पैटी का कॉन्फिडेंस उसे बाकियों के बीच एरोपेट का टैग दिलाता है। देश पर पुलवामा हमले के बाद इस टीम को आतंकियों पर अटक करने का टास्क मिला है। इस टास्क के अलावा पैटी और मिनी की लव स्टोरी भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म में भारी एक्शन के साथ सॉलिड डायलॉगबाजी भी है और हमले के जवाब में जब एक पॉलिटेक्निक टाइप किरदार कहता है कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत बताएगा बाबू कौन है... तो ट्रेलर रॉगटे खड़े कर देता है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण इंडिया के दो सबसे गुड लुकिंग एक्टर हैं। ऑडियंस हमेशा से इन दोनों को एकसाथ एक फिल्म में देखना चाहती थी। फाइटर के सॉलिड एक्शन के बीच, पायलट के रोल में इन दोनों को देखना तो एक कमाल का एक्सपीरियंस है ही, साथ ही फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट में भी बड़े-बड़े नाम हैं। वेटनन एक्टर अनिल कपूर जहां रूफ केप्टन रॉकी सिंह के रोल में हैं, वहीं उनके साथ करण सिंह गोवर, अक्षय ओबेरॉय और संजीदा शेख जैसे कलाकार हैं। फाइटर का ट्रेलर बता रहा है कि ये बड़े पर्दे पर धमाका करने वाली तगड़ी फिल्म है। इसके विजुअल्स बहुत दमदार लग रहे हैं और ऋतिक-दीपिका की कैमिस्ट्री भी सॉलिड नजर आ रही है। फाइटर जेट्स के एक्शन और कहानी के इमोशन इस गणतंत्र दिवस पर जनता को देशभक्ति के मूड में पूरी तरह डूबाने का काम करेंगे। फाइटर 25 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हो रही है। ट्रेलर के बाद मेकर्स अब फिल्म की एडवांस बुकिंग भी जल्द ही शुरू करने वाले हैं।

जय श्री राम

ॐ नमः शिवाय



महादेव की असीम
कृपा से आप सभी
भक्तजनों के सहयोग से

बिसरख प्राचीन महादेव
(रावण) मन्दिर में



श्री राम दरबार

एवं

भरों बाबा की स्थापना

हवन प्रातः 11 बजे एवं

भण्डारा दोपहर : 01 बजे

सोमवार दिनांक 22 जनवरी 2024

को किया जा रहा है।

आप सभी भक्तगण सादर आमन्त्रित है।

पूज्य गुरुदेव श्री महान्त रामदास जी महाराज
सम्पर्क सूत्र : 9810486103, 6396759427

चौ. अजय प्रधान
बिसरख धाम

